बर्षः- 05
अंकः- 324
मुरादाबाद
(Friday)
20 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति ने पात्र को माथे से लगाया, मंदिर प्रांगण शुभ मंत्रों से गूंजा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं- श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन हमारे लिए एक जैसा

अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आज एक बार फिर नए इतिहास का साक्षी बना। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना की। इस मौके पर उन्होंने रामलला के दर्शन किए और आरती उतारी।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को राम मंदिर परिसर में श्री राम यंत्र की विधिवत स्थापना की। दोपहर 2 बजकर 50 मिनट पर मंदिर से बाहर निकलते हुए उन्होंने अपने संबोधन में घट-घटवासी राम, मुझमें राम, तुझमें राम, सबमें राम समाएं का संदेश देकर सामाजिक एकता और आध्यात्मिक भाव को मजबूत करने की अपील की। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद राष्ट्रपति का काफिला आद्य शंकराचार्य द्वार से होते हुए एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। मार्ग में उन्होंने गाड़ी में बैठे हुए हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। राष्ट्रपति के दर्शन पाने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान कलाकार कार्यकम की प्रस्तुति देते रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी देशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में होना मेरे जीवन का कृतार्थ करने वाला पल है। मैं यहां पर आकर गौरवांवित हूं। राम मंदिर हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद हमें यह सौभाग्य का पल मिला है। राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा, मंदिर का ध्वजारोहण हमारे इतिहास की स्वर्णिम तिथियां हैं। मुझे श्रीराम यंत्र की स्थापना का अवसर मिला है। यह प्रभु श्रीराम की मेरे ऊपर कृपा का प्रतीक है। ऐसा मेरा मानना है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम को नमन करना और भारत मां का वंदन करना एक जैसा है। आज के इस अवसर पर हम संकल्प लें कि भारत मां के सम्मान और वैभव को शिखर पर ले जाएंगे।राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी को चैत्र नवरात्र की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम का मंदिर अब एक राष्ट्र मंदिर बन चुका है। ये हमारे लिए अत्यंत गौरव का पल है। यह सौभाग्यशाली पल करोड़ों रामभक्तों के संघर्ष और बलिदान के कारण संभव हो सका है। आज अयोध्या वैश्विक चेतना का केंद्र बन चुकी है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज दुनिया भर में युद्ध चल रहे हैं पर हम लोग आज राम मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना के इस आनंदमयी कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। यही तो रामराज्य की अनुभूति है इसलिए ही तो कहा जाता है कि हमारा भारत वर्ष साधु-संतों की भूमि है। उन्होंने कहा कि आज राम मंदिर हमारे युवाओं को हमारी संस्कृति से जोड़ रहा है। यही कारण है कि जब नववर्ष का शुभारंभ होता है तो युवा कहीं और नहीं जाकर मंदिर में दर्शन कर अपने नववर्ष का शुभारंभ करता है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम यंत्र की स्थापना के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी रामभक्तों को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज श्रीराम यंत्र की स्थापना के साथ ही प्रभु श्रीराम का मंदिर परिपूर्ण हो गया। राम मंदिर का निर्माण 500 वर्षों के संघर्ष का परिणाम है।राममंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद आयोजित कार्यक्रम में हजारों रामभक्तों को संबोधित करते हुए श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि इसके साथ ही 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण परिपूर्ण हो गया है। कार्यक्रम में राम मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले लोगों को आमंत्रित किया गया है। इनमें वो लोग भी शामिल रहे जो 1984 से ही राम मंदिर आंदोलन से जुड़े हुए थे।श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्रीरामलला के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने प्रभु श्रीरामलला की आरती उतारी और आशीर्वाद लिया।राष्ट्रपति ने पूरे विधि-विधान से श्रीराम यंत्र की स्थापना में भाग लिया। इस दौरान इस विशेष अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, सदस्य जगद्गुरु विश्व प्रसन्न तीर्थ और तीन आचार्य उपस्थित रहेवैदिक मंत्रों के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राम मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की पूजन के बाद स्थापना की। वैदिक आचार्यों ने पूजन सम्पन्न करवाया। श्रीराम यंत्र की स्थापना मंदिर के द्वितीय तल पर की गई है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर के द्वितीय तल पर राम दरबार के दर्शन किए और आरती उतारी। इसके बाद श्रीराम यंत्र का पूजन किया।नवरात्रि के पहले दिन राष्ट्रपति ने अयोध्या में राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन किए और वैदिक मंत्रों के बीच राम यंत्र की स्थापना की। यह विशेष यंत्र तमिलनाडु में तैयार होकर यात्रा के बाद यहां लाया गया। सोने की परत चढ़ा यह यंत्र मंदिर के द्वितीय तल पर स्थापित किया गया।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को अयोध्या के राम मंदिर पहुंची हैं। दूसरे फ्लोर पर बने राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। इस दौरान पुजारियों ने मंत्रोच्चारण किया। राष्ट्रपति पूजन ने सामग्री भगवान को अर्पण की। पूरा मंदिर प्रांगण शुभ मंत्रों से गूंज उठा। यह नजारा देखने में बहुत ही अद्भुत रहा। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद राष्ट्रपति का यह दूसरा अयोध्या दौरा है। इससे पहले वह 1 मई 2024 को अयोध्या आई थीं, तब उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन-पूजन किया था।

संक्षिप्त समाचार

दुनिया का इकलौता राम यंत्र, तमिलनाडु में तैयार किया गया

नवरात्रि के पहले दिन राष्ट्रपति ने अयोध्या में राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन किए और वैदिक मंत्रों के बीच राम यंत्र की स्थापना की। यह विशेष यंत्र तमिलनाडु में तैयार होकर यात्रा के बाद यहां लाया गया। सोने की परत चढ़ा यह यंत्र मंदिर के द्वितीय तल पर स्थापित किया गया।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवरात्रि के पहले दिन अयोध्या के राम मंदिर पहुंचीं। उन्होंने रामलला के दर्शन किए। इसके बाद राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। उन्होंने राम मंदिर परिसर को देखा। वैदिक मंत्रों के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राम मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की पूजन के बाद स्थापना की।वैदिक आचार्यों ने पूजन सम्पन्न करवाया। श्रीराम यंत्र की स्थापना मंदिर के द्वितीय तल पर की गई है। बता दें कि राष्ट्रपति करीब साढ़े 10 बजे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम ने उनका स्वागत किया।यह केवल धातु की एक आकृति नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय ऊर्जा का एक गणितीय और आध्यात्मिक स्वरूप है। शास्त्रों के अनुसार, जिस प्रकार %श्री यंत्र% को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है, उसी प्रकार %श्री राम यंत्र% को भगवान विष्णु के अवतार प्रभु श्री राम की विजय और मर्यादा का प्रतीक माना जाता है। इसे विशेष धातुओं के मिश्रण और वैदिक गणनाओं के आधार पर निर्मित किया गया है। राम यंत्र को कांचीपुरम (तमिलनाडु) स्थित मठ में तैयार किया गया।

शशि थरूर का बड़ा दावा, बोले- यूडीएफ को मिलेंगी 85 से 100 सीटें

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ 85 से 100 सीटें जीत सकता है। साथ ही उन्होंने भाजपा को राज्य में एक मामूली खिलाड़ी बताते हुए कहा कि मुकाबला सिर्फ एलडीएफ और यूडीएफ के बीच है। केरल विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की जीत का भरोसा जताया है। थरूर के मुताबिक, यूडीएफ को 140 सीटों वाली विधानसभा में 85 से 100 सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने भाजपा को केरल की राजनीति में एक मामूली खिलाड़ी बताया है।पीटीआई को दिए इंटरव्यू में शशि थरूर ने कहा कि केरल में मुकाबला मुख्य रूप से लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूडीएफ के बीच है। उन्होंने कहा, यह कोई त्रिकोणीय मुकाबला नहीं है, क्योंकि विधानसभा में भाजपा एक जीरो सीट वाली पार्टी है। अगर वे जीरो से एक, दो या तीन पर जाते हैं, तो वे बहुत गर्व और खुशी महसूस करेंगे।卐थरूर ने आगे कहा कि भाजपा की राज्य में किंगमेकर बनने की भी कोई संभावना नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि मुकाबला एलडीएफ और यूडीएफ के बीच ही होगा। उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत रूप से वह चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का चेहरा पेश करने के पक्ष में हैं, लेकिन केरल में कांग्रेस किसी एक चेहरे के बजाय अपने एजेंडे और पार्टी के निशान पर चुनाव लड़ती है। मुकाबला कड़ा, लेकिन भाजपा खतरा नहीं- थरूर ने कहा कि मौजूदा आंकड़ों के हिसाब से मुकाबला काफी कड़ा दिख रहा है। इसका मतलब है कि हर सीट और हर वोट महत्वपूर्ण है। इसलिए हम भाजपा को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं और न ही इसे लेकर लापरवाह हैं। उन्होंने साफा किया कि कांग्रेस केरल में भाजपा को सरकार के लिए खतरा नहीं मानती। उन्होंने कहा, वे ज्यादा से ज्यादा बस अपना खाता खोल सकते हैं। यूडीएफ को 85 से 100 सीटें मिलेंगी- रूर ने यूडीएफ की जीत का भरोसा जताते हुए कहा कि 140 सीटों वाली विधानसभा में 85 से 100 सीटों का आंकड़ा अच्छा रहेगा। उन्होंने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा, यूडीएफ, खासकर एलडीएफ को गूगली फेंक रहा है, क्योंकि वे एक मुश्किल पिच पर हैं और हम उन्हें वहां फंसा सकते हैं। आपको बता दें कि 2021 के केरल विधानसभा चुनाव में, एलडीएफ ने 99 सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी थी। वहीं, यूडीएफ को 41 सीटें मिली थीं और भाजपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि, हाल के लोकसभा चुनाव में भाजपा केरल में एक सीट जीतने में कामयाब रही थी। त्रिशूर सीट से सुरेश गोपी ने जीत हासिल की थी।

उच्च शिक्षा विधेयक पर कांग्रेस ने उठाए गंभीर सवाल, संघीय ढांचे के उल्लंघन का लगाया आरोप

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025 को लेकर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है और इस विधेयक को संघीय ढांचे के खिलाफ बताया है। साथ ही कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि इस विधेयक से उच्च शिक्षा संस्थानों की आर्थिक स्वायत्ता प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कांग्रेस ने और क्या-क्या आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने गुरुवार को प्रस्तावित विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 को लेकर गंभीर चिंता जताई और आरोप लगाया कि यह संविधान के संघीय ढांचे का उल्लंघन करता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस विधेयक को लेकर सात प्रमुख आपत्तियां गिनाईं। जिनमें राज्यों से परामर्श न करना, संवैधानिक अतिक्रमण, फंडिंग काउंसिल का अभाव, उच्च शिक्षा का बढ़ता नौकरशाहीकरण और यूजीसी की परामर्श प्रक्रिया का कमजोर होना जैसे आरोप शामिल हैं।कांग्रेस ने गुरुवार को प्रस्तावित विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 को लेकर गंभीर चिंता जताई और आरोप लगाया कि यह संविधान के संघीय ढांचे का उल्लंघन करता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस विधेयक को लेकर सात प्रमुख आपत्तियां गिनाईं। जिनमें राज्यों से परामर्श न करना, संवैधानिक अतिक्रमण, फंडिंग काउंसिल का अभाव, उच्च शिक्षा का बढ़ता नौकरशाहीकरण और यूजीसी की परामर्श प्रक्रिया का कमजोर होना जैसे आरोप शामिल हैं।जयराम रमेश ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग की स्थायी समिति की रिपोर्ट में यूजीसी और एआईसीटीई जैसे प्रमुख नियामक संस्थानों में बड़ी संख्या में रिक्तियां सामने आई हैं, बावजूद इस विधेयक के मसौदे में राज्य सरकारों से कोई परामर्श नहीं किया गया, जबकि इसका सीधा असर राज्य विश्वविद्यालयों पर पड़ेगा। कांग्रेस का कहना है कि यह विधेयक संविधान की सातवीं अनुसूची के संघ सूची के दायरे से आगे जाकर राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप करता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहाः भविष्य के युद्धों में ड्रोन अहम, भारत को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा

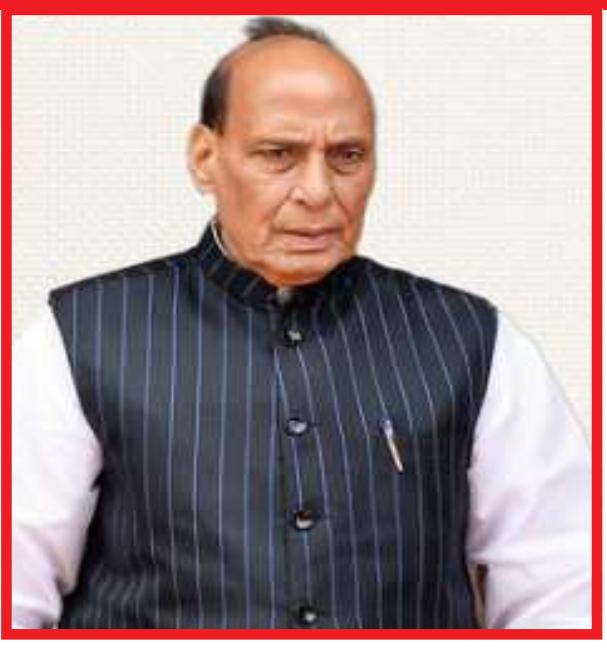

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन में कहा कि भविष्य के युद्धों में ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक निर्णायक होंगी। उन्होंने भारत को ड्रोन निर्माण में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने और हर पुर्जे को मेड इन इंडिया बनाने पर जोर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में आयोजित %राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन% में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज (जीआईएससी) के 14वें संस्करण की शुरुआत की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, % आज 100 से अधिक चुनौतियों के साथ डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज (डीआईएससी) का 14वां संस्करण भी शुरू किया गया है। डीआईएससी की अब तक की सफलता को देखते हुए, हमारे रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (DPSUs) द्वारा पहली बार 100 से अधिक चुनौतियां प्रस्तुत की जा रही हैं। मैं डीआईएससी के नए संस्करण के लिए सभी नवप्रवर्तकों को शुभकामनाएं देता हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य छोटे उद्योगों (MSMEs) को रक्षा निर्माण की सप्लाई चेन से जोड़ना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब छोटे उद्योग बड़े रक्षा कार्यक्रमों का हिस्सा बनेंगे, तभी देश में नई खोज और तकनीक की रफ्तार तेज होगी। किसी भी देश के रक्षा तंत्र को मजबूत बनाने में बड़े उद्योगों के साथ-साथ MSMEs, स्टार्टअप और इनोवेटर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। इसमें सरकार की स्पष्ट नीतियां भी बड़ा योगदान देती हैं।उन्होंने कहा दुनिया के मौजूदा हालातों पर बात करते हुए राजनाथ सिंह ने रूस-यूक्रेन और ईरान-इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया इन संघर्षों को देख रही है।
इनसे यह साफ हो गया है कि भविष्य की लड़ाइयों में ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होने वाली है। इसलिए भारत को ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना होगा, जिसमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हों।
उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता सिर्फ अंतिम उत्पाद तक सीमित नहीं होनी चाहिए। हमें ड्रोन के हर पुर्जे को भारत में ही बनाना होगा। ड्रोन का ढांचा (मोल्ड), सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरी सब कुछ स्वदेशी होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया कि यह काम आसान नहीं है। आज दुनिया के कई देश ड्रोन बनाने के लिए जरूरी पुर्जे चीन से मंगवाते हैं। लेकिन भारत की सुरक्षा और रणनीतिक मजबूती के लिए हमें ड्रोन निर्माण में पूरी तरह आत्मनिर्भर होना ही पड़ेगा। राजनाथ सिंह ने आधुनिक तकनीकों जैसे ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये तकनीकें पूरी दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग का तरीका बदल रही हैं। उन्होंने कहा, सरकार का लक्ष्य है कि साल 2030 तक भारत स्वदेशी ड्रोन निर्माण का दुनिया में सबसे बड़ा केंद्र (ग्लोबल हब) बन जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मिशन में सरकार हर संभव मदद और सहयोग देगी।

संपादकीय Editorial

Just before the budget,

There are no magic boats, nor are miracles free anymore. Counting wishes is difficult, even the signatures of honor don't know. In the midst of the greatest struggle against economic complexities, Himachal Pradesh now wants to sing its song in a new, simple tone. In this context, the government has decided to somewhat reduce the burden of its stature. The departure of the first pawns from the budget session's chessboard embodies truth, logic, and practical status. Where the scales of status have broken, your mirror has begun to frighten me. The Himachal government has removed titles from many of its soldiers in an effort to austerity. This means that the high doors of cabinet rank will now be closed, as a reminder that the government is shrinking its fleet. The upcoming budget session is shedding tears over the status of the convoy that once departed in the grandeur of cabinet rank. We stated long ago that by invoking the RDG, the central government has given Himachal Pradesh a chance to whine. If the central government attempts to morally arm-twist the hill state, its impact will be visible in the advocacy, introduction, and presentation of the upcoming budget. The government, in an attempt to demonstrate its activism, is using the RDG as a weapon. By raising this economic issue, it is questioning Himachal's existence, heritage, economic, and rights under the Punjab Reorganization Act. Himachal not only needs RDG for self-reliance, but the hills need self-respect. This respect was first achieved by Chief Minister Shanta Kumar through free royalties on power generation, the second time by Prem Kumar Dhumal through an industrial package, and now, Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu, who favors this practice, has established a charter of self-respect and self-reliance, but the central BJP government is continuously ignoring it. Himachal should receive the pending 7.19 percent rights under the Punjab Reorganization Act. If BBMB's liabilities and 50% of the earnings from central power generation projects are reimbursed, subject to the lease period. If ownership of the Shanan Power Project is obtained after the 100-year lease and permission to levy water cess is obtained, the state can abandon the trap of RDG forever. The state needs to change its economic image, and therefore, the battlefield of Himachal politics should be political. In this context, Sukhu has simultaneously held up several mirrors on the issue of RDG. First, he held the main opposition party, the BJP, a mirror to the economic atrocities committed through RDG; second, he informed the working class about the reality of the state; third, he convinced his own party leaders that the fruits of power will not be distributed without reason; and fourth, the state will be presented with a new economic model through the budget. In this context, the government has begun to reduce its internal criticism. Before writing the budget proposal, it was necessary to remove some of the excess from lucrative positions of power. Therefore, leaders holding numerous positions are being stripped of their unnecessary powers and relegated to the back benches. This government message is not just for politicians, but also for ordinary citizens, employees, and all officials. The broom of austerity is currently destroying the coffers of cabinet rank. If the government's economic standards simultaneously cut many other unnecessary expenses, the budget size and the accounting of income and expenditure may be reduced. If you search, you will find numerous signs of wasteful expenditure. Therefore, rather than a lobbying effort, the upcoming budget will be a new accounting of the state, full of economic warnings, where the signatures on the ledgers may change.

Parliamentary Traditions Ignored

The standards of parliamentary efficiency, transparency, impartiality, and dignity established during his tenure will become an important part of the institutional memory of Indian democracy in the future. The Lok Sabha achieved 97% work productivity under Om Birla's leadership. The "First-Timers First" policy increased inclusivity and participation in the House. The Digital Parliament and the use of AI modernized and facilitated parliamentary processes. The true strength and beauty of Indian democracy lies in the dignity and work culture of the institutions that, beyond elections, keep the democratic system alive. Parliament is at the heart of this system, and within Parliament, the position of the Speaker of the Lok Sabha is one of the few constitutional institutions from which the highest standards of impartiality, balance, and dignity are expected. At a time when parliamentary institutions in many parts of the world appear to be weakening under the pressure of political conflict and chaos, Om Birla's tenure as Speaker of the Lok Sabha in India exemplifies parliamentary efficiency and constitutional decorum. Under his leadership, the Lok Sabha achieved a work productivity of nearly 97%, a remarkable achievement in the last two decades. Of the 21 sessions held since 2019, 10 sessions recorded House productivity exceeding 100 percent. In the 2025 Winter Session, the Lok Sabha exceeded the scheduled time, achieving 103 percent of its work. The position of the Speaker of the Lok Sabha is not limited to conducting the proceedings of the House. Under the Indian Constitution, the Speaker is considered the guardian or "custodian" of the House. This means that he or she not only oversees procedures but also bears the responsibility of maintaining a balanced and meaningful democratic debate. Om Birla has strived to ensure that the allocation of time in the House is based not on numerical strength but on democratic participation. Despite the ruling party's overwhelming majority in the 17th Lok Sabha, the opposition and non-NDA parties were allotted approximately 61.05 percent of the total discussion time, or 807 hours. Regarding the no-confidence motion brought against him in the Lok Sabha, Home Minister Amit Shah stated that the Speaker's position transcends party politics and that the Constitution grants him the role of mediator. Raising questions of no confidence in a person holding such a position cannot be considered in keeping with democratic traditions. To make the parliamentary process more inclusive, Om Birla has adopted the "First-Timers First" policy, under which newly elected and relatively less prominent MPs are given priority to express their views. This has further broadened the democratic nature of the House. An important aspect of Om Birla's tenure has been the institutional strengthening of the parliamentary system. Organizing orientation programs for newly elected MPs is an important step in this direction. Through these programs, new MPs are introduced to parliamentary procedures, rules, and traditions. Training programs are also organized for officials and staff of various legislatures and Parliament through PRIDE, the Lok Sabha's Parliamentary Research and Training Institute. Additionally, to make the committee system more effective, a committee of presiding officers has been formed to review the committee system of Parliament and state legislatures. Under Om Birla's leadership, significant progress has been made towards making the Lok Sabha paperless. The establishment of a digital Parliament platform, digital attendance system for MPs, and online onboarding are part of this transformation. In line with this, the "National e-Vidhan" program has also been implemented on a large scale. The use of AI in parliamentary proceedings has digitized over 18,000 hours of historical Parliament proceedings, a major achievement in preserving parliamentary heritage. Using indigenous AI tools like "Sansad Bhashini," parliamentary documents have been made available in various Indian languages. Languages ??like Bodo, Dogri, Maithili, Manipuri, Urdu, and Sanskrit have also been included. A comprehensive digital Parliament Library has also been established, making parliamentary documents easily accessible to MPs, researchers, and the general public. Briefing sessions on bills have provided MPs with the opportunity to understand the background and provisions of the bills in detail, making the debates in the House more meaningful and factual. Om Birla's role as Speaker of the Lok Sabha has also been active internationally. Speakers of parliaments from G-20 countries participated in the P-20 summit held in India. India's active participation in the BRICS Parliamentary Forum and the Inter-Parliamentary Union have strengthened the country's role on global parliamentary platforms. Despite this, the tendency to bring no-confidence motions against the Speaker in Parliament undermines parliamentary traditions. The standards of parliamentary efficiency, transparency, impartiality, and dignity established during his tenure will become an important part of the institutional memory of Indian democracy in the future.

States Active in Attracting Foreign Investment

Through investment promotion, cultural diplomacy, and technical cooperation, paradiplomacy is contributing significantly to economic growth, regional development, and international cooperation. Uttar Pradesh's paradiplomacy is attracting foreign investment. Trips to Davos, Singapore, and Japan have generated 2.5 lakh crore rupees in investment. Aiming for a trillion-dollar economy through industrial development. The growing competition among states for economic development has emerged as a positive sign for the Indian economy. Previously, this competition was primarily seen in the western and southern states, but Uttar Pradesh, once considered a poor state, has now emerged strongly in this competition. Recently, delegations from several states presented to investors at the World Economic Forum's Davos Summit. Among these delegations was one from Uttar Pradesh, led by Finance Minister Suresh Kumar Khanna. The Uttar Pradesh government's focus at Davos was to establish the state as a preferred investment destination for Global Capability Centers. Participation in such international events underscores that no stone is being left unturned to boost investment flows into the country's largest state. In this regard, Chief Minister Yogi Adityanath's recent visit to Singapore and Japan was notable, and some positive results are now emerging. These visits are opening new avenues for investment contracts, industrial partnerships, and cultural promotion in the state. During this period, discussions with Singaporean and Japanese companies have progressed on investment proposals worth approximately ?1.5 lakh crore.

If other foreign investment proposals are included, this figure reaches approximately ?2.5 lakh crore. These efforts will help the state achieve its goal of becoming a trillion-dollar economy. The expertise of Japanese companies in the fields of automobiles, electronics, logistics, green energy, agricultural machinery, fintech, and advanced manufacturing is no secret. Many such companies have expressed interest in expanding their operations in Uttar Pradesh. In this regard, Kubota Corporation, Japan Aviation Electronics Industry, and Nagaji & Co. have come forward to promote the state's industrial development and technology transfer. Large-scale industrial clusters, logistics parks, data centers, and manufacturing units will also emerge in the state. The pace of industrial projects and infrastructure will also accelerate. As urbanization is rapidly expanding alongside the growing industrial activity in the state, considerable attention is being paid to this area. In this regard, plans to develop a state-of-the-art township near the Noida International Airport, in collaboration with Singapore, have progressed. A logistics park will be developed on the Kanpur-Lucknow Highway. A hyperscale data center is also being planned near Noida. All these projects will significantly improve the state's infrastructure and generate employment. The proposal for a dedicated "Japan City" in the Yamuna Expressway Industrial Development Authority area will also contribute significantly to the state's progress by providing a single umbrella for Japanese investment.

Efforts to industrialize the state's cultural heritage are also bearing fruit. The state government's "One District, One Product" scheme is promoting the state's products globally. This is introducing the world to Uttar Pradesh's handicrafts and craftsmanship. While foreign policy is primarily a matter of national importance, overseen by the central or federal governments, provincial and territorial governments also actively engage internationally to advance their own progress through paradiplomacy, a subnational diplomacy. Through paradiplomacy, states strive to foster their economic and cultural interests. In India, this influence is often visible in the policies of states bordering Bangladesh, Nepal, and Sri Lanka, but recent economic activity has increased. Similar examples can be seen worldwide. For example, the government of Quebec in Canada has its own foreign affairs unit, which makes decisions on trade and cultural matters with various countries. In Spain, the state of Catalonia discusses economic and cultural partnerships through foreign delegations. Even states like California in the US work with various countries and international organizations on climate and technical cooperation. Guangdong, located on the southeast coast of China, also works independently on foreign trade. Dubai is a shining example of how strong global economic diplomacy can transform a country. In an era when the challenges and scope of work facing national governments are constantly expanding, paradiplomacy provides a platform for state governments to realize new possibilities. Through this, state governments can further accelerate their progress by increasing cooperation with other countries, international organizations, and global investors. In recent times, paradiplomacy has emerged as a strong link between regional development and global cooperation. It has helped state governments and cities achieve greater progress. Paradiplomacy has provided opportunities for direct engagement on global platforms. Through investment promotion, cultural diplomacy, and technical cooperation, paradiplomacy is making significant contributions to economic growth, regional development, and international cooperation.

हारिश से एक हफ्ते पहले मिलने आए थे तीन युवक, इस जगह पर हुई थी मुलाकात; बीडीएस छात्र पर एक और नया खुलासा

बीडीएस छात्र हारिश को लेकर एक और नया खुलासा हुआ है। हारिश से एक सप्ताह पहले तीन युवक मिलने आए थे। पुलिस और खुफिया एजेंसियों की टीम ने छात्रों से पूछताछ की तो पता चला कॉलेज के बाहर कैंटीन पर इनकी मुलाकात हुई थी। आईएस के लिए ऑनलाइन भर्ती कराने के आरोप में एटीएस ने गिरफ्तार किए बीडीएस छात्र हारिश के मामले में जैसे जैसे जांच आगे बढ़ रही हैं वैसे वैसे नए तथ्य सामने आ रहे हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियों की टीम ने अन्य छात्रों से पूछताछ की तो पता चला कि करीब एक सप्ताह पहले हारिश से मिलने तीन युवक आए थे। हारिश ने उनसे कॉलेज के बाहर ही कांठ रोड पर कैंटीन पर बैठकर बातचीत की थी।तीन युवक उसके रिश्तेदार थे या फिर आईएस के लिए काम करने संदिग्ध युवक, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। सहारनपुर के मानकमऊ निवासी रियासत अली आईटीसी में टेक्नीशियन के पद कार्यरत हैं।

रियासत अली का बड़ा बेटा डॉ. आकिफ एमबीबीएस, एमडी डॉक्टर है और लखनऊ में कार्यरत है। जबकि बेटी अरफा महाराष्ट्र में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। रियासत अली ने दो साल पहले छोटे बेटे हारिश का मुरादाबाद के निजी कॉलेज में बीडीएस में दाखिल कराया था।

हारिश यहां शामली निवासी छात्र के साथ हॉस्टल में एक ही रूम में रह रहा था था लेकिन वह धीरे-धीरे कुख्यात आतंकी संगठन से जुड़ गया था। उसने अपने साथ 50 से ज्यादा छात्र जोड़ लिए थे। दो दिन पहले एटीएस हारिश को गिरफ्तार कर लखनऊ ले गई थी।

छात्रों पर निगरानी कर रही एटीएस- इसके बाद भी एटीएस उससे जुड़े छात्रों पर निगरानी कर रही है। अब पता चला कि एक सप्ताह पहले भी तीन युवक उससे मिलने कॉलेज

तक पहुंचे थे। कॉलेज आने पर वह अपने साथी और अन्य छात्रों से बोलकर निकला था कि वह कॉलेज से बाहर जा रहा है।

एक छात्र ने उससे साथ चलने के लिए कहा तो उसे रोक दिया था और कहा कि वह अभी वापस आ रहा है लेकिन एक घंटे से ज्यादा समय तक उसने कॉलेज के बाहर प्रेम नगर चौराहे के पास एक कैंटीन में बैठ कर बात की थी। कुछ अन्य छात्रों ने इन्हें यहां बैठे हुए देखा था। अब टीमें इन तीन युवकों की तलाश में जुट गई हैं। इनके बारे में विस्तार से जानकारी जुटाई जा रही है।

15 पहले भी हारिश की तलाश में मुरादाबाद पहुंची थी टीम - बीडीएस का छात्र सोशल मीडिया के जरिए लंबे समय से आईएस से जुड़ा हुआ था और उसने अन्य छात्रों को अपने साथ शामिल कर लिया था। एटीएस और अन्य एजेंसियां उसे वॉच कर रही थीं। बताया जा रहा है कि 15 दिन पहले भी टीम उसकी तलाश में आई थी।

टीम के सदस्यों ने कभी मरीज बनकर तो कभी तीमारदार बनकर कॉलेज में रेकी की थी लेकिन उस वक्त हारिश अपने घर चला गया था। जिस कारण टीम को सफलता नहीं मिल पाई थी। इसके बाद टीम लौट गई थी लेकिन दोबारा टीम पूरी तैयारी के साथ आई और हारिश को दबोच लिया था।

संदिग्ध आतंकी हारिश अली की गिरफ्तारी के बाद परिवार पर निगरानी बढ़ाई- मुरादाबाद से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकी हारिश अली का घर दूसरे दिन भी बंद रहा। उसके परिवार का कोई अता पता नहीं है। ऐसे में एटीएस, एसटीएफ, स्थानीय पुलिस और एलआईयू ने परिवार की निगरानी बढ़ा दी है। इसके अलावा डॉ. आदिल से भी कनेक्शन की जांच तेज कर दी है।

थाना कुतुबशेर क्षेत्र के मानकमऊ की ट्रांसफार्मर वाली गली में संदिग्ध आतंकी हारिश अली का परिवार रहता है। मुरादाबाद में गिरफ्तारी के बाद बुधवार को उसके घर के आसपास कोई परिचित या रिश्तेदार नजर नहीं आया।

गली में सामान्य आवाजाही जरूर रही, लेकिन लोगों ने उसके घर की ओर रुख करने से परहेज किया।

हारिश अली के पिता रियासत अली क्षेत्र में एक साधारण व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे, लेकिन बेटे का नाम आतंकी गतिविधियों में सामने आने के बाद परिवार अचानक घर पर ताला लगाकर कहीं चला गया है। परिवार कहां गया, इसका अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए निगरानी और तेज कर दी है। घर के आसपास लगातार पुलिस की नजर बनी हुई है, वहीं खुफिया तंत्र परिवार के ठिकाने का पता लगाने में जुटा है।

आशंका जताई जा रही है कि परिवार के सदस्य पूछताछ से बचने के लिए कहीं अन्य स्थान पर चले गए हैं। जांच एजेंसियां इस मामले को व्यापक आतंकी नेटवर्क से जोड़कर देख रही हैं। खासतौर पर नवंबर 2025 में पकड़े गए आतंकी डॉ. आदिल अहमद राथर और हारिश अली के बीच संभावित कनेक्शन की गहन जांच की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में सहारनपुर से आतंकी कनेक्शन के मामले सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां पहले से अधिक सतर्क हो गई हैं।

मंडलायुक्त की ओर से कराई पैमाइश में भी प्रशासन के दावे की पुष्टि

मुरादाबाद । सदर तहसील के धीमरी गांव में सीएम कंपोजिट विद्यालय निर्माण की भूमि पर कब्जा हटवाने के दौरान महापौर के जमीन की बाउंड्री टूटने के मामले में नया मोड़ आने की संभावना है। महापौर ने स्थानीय अधिकारियों से लेकर शासन व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से भी शिकायत कर प्रशासन के कदम पर कड़ा ऐतराज जताया है। पिछले दिनों धीमरी में कंपोजिट विद्यालय निर्माण को लेकर आवंटित भूमि पर कब्जा हटाने के लिए प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई हुई थी। इस दौरान महापौर की भूमि पर बनी बाउंड्री वाल को भी तोड़ दिया गया था। महापौर ने जिलाधिकारी और मंडलायुक्त तक से शिकायत की थी। प्रशासनिक अधिकारियों का दावा था कि भूमि की नाप- जोख कराने के बाद सरकारी भूमि पर किए गए कब्जे को हटाया गया था। वहीं, महापौर का दावा था कि उनकी निजी भूमि पर खड़ी बाउंड्री को भी तोड़ा गया। जबकि सरकारी भूमि से उनका कोई लेना देना नहीं था। मंडलायुक्त के निर्देश पर डीएम अनुज सिंह ने अगले ही दिन राजस्व टीम को ले जाकर पैमाइश कराई थी। इस दौरान महापौर विनोद अग्रवाल भी मौजूद रहे। हालांकि बीच में महापौर ने उप जिलाधिकारी सदर व स्थानीय लेखपालों पर भी अविश्वास जताकर दूसरे जिले की टीम से पैमाइश कराने की मांग रखी थी। लेकिन जिला प्रशासन ने पैमाइश कराकर सत्यापन कार्य जारी रखा। अब पैमाइश पूरी हो गई है और इसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है। प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो पैमाइश पूरी होने पर कहानी कुछ और ही निकल कर सामने आ रही है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पूर्व में सरकारी भूमि पर बाउंड्री किए जाने की दावे की पुष्टि हो रही है। डीएम अनुज सिंह ने बताया कि पैमाइश पूरी हो गई है। इसमें क्या निकला के सवाल पर उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा कि सच्चाई। अब इस रिपोर्ट के आधार पर अगले कदम पर सभी की नजरें टिकी हैं। आखिर कैसे हुआ सरकारी भूमि पर कब्जा- सरकारी भूमि पर कब्जे को लेकर मुख्यमंत्री का रुख बेहद सख्त होने के बावजूद सरकारी भूमि पर कब्जा हो जाता है और प्रशासनिक अधिकारी, हल्का लेखपाल सहित अन्य कर्मचारियों को पता भी नहीं चलता। हालांकि, यह मामला महापौर की भूमि पर बनी बाउंड्री वाल गिराए जाने को लेकर चर्चा में आ गया, शहर में कई स्थानों पर सरकारी भूमि पर कब्जा कर बड़े-बड़े निर्माण किए चुके हैं।

ईद-उल-फितर से पहले बाजारों में खरीदारी ने पकड़ा जोर, सेवइयों और रेडीमेड कपड़ों की बढ़ी मांग

मुरादाबाद, अमृत विचार। ईद-उल-फितर के लिए बाजारों में खरीदारी चरम पर है। चौमुखापुल, मंडी चौक, टाउनहॉल, पीर का बाजार, करूला, जामा मस्जिद, तहसील स्कूल के पास समेत शहर के प्रमुख बाजारों में सुबह से देर शाम तक ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। शाम होते ही बाजारों में रौनक और बढ़ जाती है। महिलाएं भी परिवार के साथ खरीदारी के लिए पहुंचकर ईद की तैयारियों में जुटी हैं। बुधवार को कपड़े, जूते- चप्पल, श्रृंगार सामग्री और घरेलू जरूरतों का सामान खरीदते दिखे। रेडीमेड कपड़ों के लिए टाउनहॉल और चौमुखापुल पर सबसे ज्यादा भीड़ रही। यहां दुकानों के साथ-साथ सड़कों तक स्टॉल लग गए हैं। दुकानदार ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष छूट और ऑफर दे रहे हैं।वहीं, मंडी चौक और बुधबाजार में जूते-चप्पल व अन्य उपयोगी वस्तुओं की दुकानों पर भी खरीदारों का तांता लगा रहा। श्रृंगार सामग्री के लिए गलशहीद के चूड़ी बाजार में महिलाओं की देर शाम तक भीड़ रही। इसके अलावा फुटपाथ पर सजी अस्थायी दुकानों पर भी सस्ते कपड़ों और सामान की जमकर बिक्री हुई। ईद के पकवानों के लिए जरूरी सेवइयों की दुकानों पर भी खूब रौनक रही। इसके अलावा अलीगढ़ की सेवइयां, सूतफेनी और किमामी की बिक्री तेज रही, जहां दिनभर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। इबादत में भी जुटे हैं रोजेदार- रोजा रखने वाले लोग जहां एक ओर खरीदारी में व्यस्त हैं, वहीं इबादत का सिलसिला भी जारी है। मस्जिदों में नमाज और तरावीह के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। रोजेदार पांच वक्त की नमाज के साथ कुरान पाक की तिलावत में समय बिता रहे हैं। ईद नजदीक आने के साथ ही जकात और फितरा अदा करने की तैयारियां भी तेज हो गई हैं, ताकि जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाई जा सके। बोले व्यापारी- कपड़ा व्यापारी मोहम्मद सिराज के मुताबिक ईद से पहले हर साल अच्छी बिक्री होती है, लेकिन इस बार भीड़ थोड़ी ज्यादा है। खासकर रेडीमेड कपड़ों की मांग बढ़ी है। फुटवियर व्यापारी शहजाद आलम ने बताया कि ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लोग परिवार के साथ आकर जमकर खरीदारी कर रहे हैं, जिससे कारोबार में तेजी आई है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए हर तरह की वैरायटी उपलब्ध है।

संक्षिप्त समाचार

कार ने बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर, दोनों की जान गई, परिजनों में मच गया कोहराम

शाहबाद में हुए सड़क हादसे में दंपती की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ ह ै । शाहबाद कोतवाली क्षेत्र के बिलारी रोड स्थित राणा शुगर मिल के नजदीक बाइक सवार दंपती लक्ष्मी प्रसाद (44) और पत्नी पुष्पा रानी (45) की अर्टिगा कार से टक्कर हो गई। हादसे में दंपती की मौत हो गई। शवों का पंचनामा भरकर रामपुर भेज दिया है। सूचना के बाद सीएचसी पहुंचे परिजनों में चीख पुकार मची हुई है। सीएचसी पहुंचे परिजनों के मुताबिक लक्ष्मी प्रसाद मुरादाबाद के आईएफटीएम में अध्यापक थे। परिजनों के मुताबिक दंपती बच्चों समेत पाकबड़ा में रहते थे।पाकबड़ा से दंपती भीतरगांव कुछ समान लेने के लिए आए थे। बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे बाइक सवार दंपती पाकबड़ा जा रहे थे। समान लेकर वापस आने के दौरान उनकी कार से टक्कर हो गई। हादसे में दोनों के गंभीर चोटें आई। जिन्हें एंबुलेंस की मदद से सीएचसी भेजा गया। डॉक्टर ने दंपती को देखकर मृत घोषित कर दिया। इस अचानक मौत की सूचना जब भीतरगांव में रह रहे परिवार के बीच पहुंची, तो कोहराम मच गया। उधर पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर घटना का कारण जानने की कोशिश में लगी हुई है। अचानक मौत से परिवार में चीख पुकार मची हुई है।

तेज धूप ने बढ़ाई गर्मी, प्याऊ सूखे मिलने से लोग परेशान

मुरादाबाद,। बुधवार को सुबह से ही तेज धूप ने लोगों को गर्मी का अहसास कराया। दोपहर में तापमान बढ़ने पर लोग परेशान हुए। गर्मी से राहत पाने के लिए शीतल पेय पदार्थों का सहारा लिया। प्रमुख बाजारों में धूप से बचने के लिए युवतियों के साथ-साथ पुरुषों ने भी चश्मा, अंगोछा और दुपट्टा आदि का उपयोग किया। वहीं, कुछ स्थानों पर लगे प्याऊ सूखे मिले, जिससे लोग निराश हुए। राहगीरों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहा। आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मण्डलायुक्त का कलेक्ट्रेट पर औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर कसी नकेल

10 साल की आवास आवंटन रिपोर्ट तलब, शस्त्र लाइसेंस और अभिलेख सुरक्षा पर सख्त दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी ने कलेक्ट्रेट का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने उनका स्वागत किया, वहीं पुलिस कर्मियों ने सलामी देकर सम्मान जताया। मण्डलायुक्त ने कलेक्ट्रेट के विभिन्न महत्वपूर्ण अनुभागों–जिलाधिकारी न्यायालय, नजारत, अभिलेखागार और शस्त्र अनुभाग–का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, रिकॉर्ड मेंटेनेंस और कार्यप्रणाली को लेकर अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए गए। सबसे अहम बात यह रही कि मण्डलायुक्त ने सरकारी आवास आवंटन को लेकर सख्ती दिखाई। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में आवंटित आवासों, खाली कराए गए मकानों और वर्तमान कब्जे की स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट तलब की। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के देयकों के भुगतान की स्थिति भी जानी गई, जिसमें अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल कोई भुगतान लंबित नहीं है। शस्त्र अनुभाग के निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने लाइसेंस नवीनीकरण की नियमित जांच के निर्देश दिए, ताकि अवैध शस्त्र रखने वालों पर प्रभावी कार्रवाई हो सके। वहीं अभिलेखागार में अग्निशमन व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने पर जोर देते हुए सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डाक व्यवस्था और ई-ऑफिस प्रणाली को और बेहतर बनाने पर भी बल दिया गया। मण्डलायुक्त ने स्पष्ट कहा कि आम जनता की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर और समयबद्ध तरीके से किया जाए। इस मौके पर प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

सनराइज अस्पताल में इलाज के नाम पर मौत का खेल और सिस्टम की खामोशी, तीन दिन से धरने पर पीड़ित परिवार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली का सनराइज अस्पताल कांड अब जनआक्रोश में बदलता जा रहा है। सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में पीड़ित परिवार का अनिश्चितकालीन धरना आज तीसरे दिन भी जारी रहा, लेकिन प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी ने सवालों को और गहरा कर दिया है।

धरने पर बैठे परिजनों का आरोप है कि 25 सितंबर 2025 को भर्ती कराए गए उर्वेश यादव की 2 अक्टूबर को हुई मौत कोई सामान्य घटना नहीं, बल्कि गलत इलाज से हुई हत्या है। उनका कहना है कि अस्पताल संचालक डॉक्टर रेहान अहमद, जो कि एनेस्थीसिया विशेषज्ञ हैं, उन्होंने लीवर की गंभीर बीमारी का इलाज किया–और यही लापरवाही जानलेवा साबित हुई। मेडिकल बोर्ड की जांच भी इस आरोप को बल देती है, जिसमें डॉक्टर को गलत इलाज का दोषी माना गया है।मामले ने तब और गंभीर मोड़ लिया जब आयुष्मान योजना के तहत बड़े घोटाले का खुलासा हुआ। परिजनों के अनुसार, आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद उनसे करीब साढ़े पांच लाख रुपये वसूले गए, जबकि बिल मात्र 2.70 लाख रुपये का दिया गया। मेडिकल जांच में भी 2.70 लाख रुपये की अवैध वसूली की पुष्टि हुई, जिसे बाद में स्वास्थ्य विभाग के आदेश पर वापस कराया गया–लेकिन शेष रकम का कोई हिसाब नहीं मिला।

धरने के तीसरे दिन परिजनों का गुस्सा साफ झलक रहा है। उनका कहना है कि पुलिस जांच भी निष्पक्ष नहीं हो रही। विवेचक मुनेंद्र सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए परिवार ने कहा कि वह लगातार समझौते का दबाव बना रहे हैं और आरोपियों से बात करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। इतना ही नहीं, जांच रिपोर्ट आने के बावजूद उचित धाराएं नहीं बढ़ाई जा रही हैं और तीन महीने से मामले को लटकाया जा रहा है।

मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में अस्पताल को आयुष्मान योजना से बाहर करने, ब्लैकलिस्ट करने और अवैध वसूली पर 10 गुना जुर्माना लगाने और अस्पताल को तुरंत बंद करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट जिला अधिकारी को सौंप दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है–यही बात परिजनों के आक्रोश को और भड़का रही है। धरना स्थल पर बैठे लोगों का कहना है कि जब तक डॉक्टर रेहान अहमद और मैनेजर सोहेल खान के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी नहीं होती और अस्पताल को सीज नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। सवाल यही है–क्या बरेली में न्याय के लिए अब सड़क पर बैठना ही एकमात्र रास्ता रह गया है, या फिर सिस्टम अब भी जागेगा?

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आस्था और श्रद्धा के साथ की गई प्रथम मां शैलपुत्री की पूजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। नवरात्रि के पहले दिन भक्तों ने घरों और मंदिरों में बड़ी ही आस्था और श्रद्धा के साथ मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप, मां शैलपुत्री की पूजा की। पर्वतराज हिमालय की पुत्री माता शैल पुत्री को सफेद फूल, घी और फल अर्पित किए गए। जिससे भक्तों में अपार उत्साह और उमंग देखी गई। यह दिन जीवन में स्थिरता, सकारात्मकता और आत्मविश्वास लाने के लिए समर्पित है। माँ शैलपुत्री के एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में कमल है, जो शक्ति और शांति का संदेश देता है ।

बरेली में अफसरों के दावे हुए धुआं, घरों-दुकानों में धड़ल्ले से बिक रहे गैस सिलिंडर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। एलपीजी की किल्लत के बीच गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी और ओवररेटिंग धड़ल्ले से जारी है। कई मोहल्लों के घरों और दुकानों से चोरी-छिपे मनमुताबिक कीमत पर सिलिंडर रिफिलिंग का खेल जारी है। इससे जहां प्रशासनिक दावे तार-तार हो रहे हैं, वहीं हादसे की आशंका भी बनी हुई है। एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र की टीम ने विगत दिवस स्टिंग किया तो यह हकीकत बेपर्दा हुई। संकरी गलियों में न तो निगरानी का असर है, न ही कार्रवाई हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन में इन दुकानों के शटर बंद रहते हैं। रात में कालाबाजारी की जा रही है। टीम ने सिलिंडर लदे वाहनों का पीछा किया तो इन ठिकानों का पता चला। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि एलपीजी सिलिंडरों की जमाखोरी और ओवर रेटिंग पर नियंत्रण के लिए टीमें निगरानी कर रही हैं। किसी घर या दुकान में अगर अवैध रिफिलिंग हो रही है तो जांच करवाकर कार्रवाई की जाएगी।

टीचर ने छात्रा से की अश्लील हरकतें, वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग, गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले के फरीदपुर थाना क्षेत्र में एक कलयुगी शिक्षक की करतूत ने गुरु-शिष्य के पवित्र रिश्ते को शर्मसार कर दिया है। कक्षा नौ की एक 15 वर्षीय छात्रा को ट्यूशन पढ़ाने के बहाने बुलाकर आरोपी शिक्षक ने न केवल उसके साथ अश्लील हरकतें कीं, बल्कि उसका वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करना भी शुरू कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे गुरुवार को न्यायालय में पेश किया । पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरीदपुर क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली किशोरी गोपालपुर गांव के निवासी नीलेश गुर्जर से ट्यूशन पढ़ने जाती थी। आरोप है कि 14 मार्च को जब छात्रा ट्यूशन पढ़ने पहुंची, तो नीलेश ने एकांत का फायदा उठाकर उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। इस दौरान आरोपी ने मोबाइल से छात्रा का आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया।

सहमी छात्रा ने ट्यूशन जाना छोड़ा- इस घटना से बुरी तरह सहमी छात्रा ने ट्यूशन जाना बंद कर दिया। छात्रा के न आने पर आरोपी शिक्षक ने उसे वह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

डरी-सहमी छात्रा कई दिनों तक खामोश रही, लेकिन जब आरोपी ने हदें पार करते हुए एक बच्चे के हाथ छात्रा के घर अश्लील सामग्री भिजवाई, तो छात्रा फूट-फूटकर रोने लगी। परिजनों के पूछने पर उसने रोते हुए अपनी आपबीती सुनाई, जिसके बाद हड़कंप मच गया। पुराना अपराधी है आरोपी शिक्षक- परिजनों ने बताया कि नीलेश गुर्जर का आचरण पहले से ही संदिग्ध रहा है।

वह रामगंगा कटरी क्षेत्र के एक कॉलेज में पढ़ाई करता था, जहां उसने कई अन्य छात्राओं के साथ भी छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें की थीं। उस समय छात्राओं की शिकायत पर स्कूल प्रबंधन ने उसे कॉलेज से निष्कासित कर दिया था। स्कूल से निकाले जाने के बाद उसने घर पर ही ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया और फिर से मासूम बच्चियों को अपना निशाना बनाने लगा।

ईद को लेकर प्रशासन अलर्ट : बाकरगंज ईदगाह में तैयारियों का निरीक्षण, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एसपी सिटी व एडीएम सिटी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आगामी ईद पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में 19 मार्च 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में एसपी सिटी मानुष पारीक एवं एडीएम सिटी सौरभ दुबे द्वारा बाकरगंज ईदगाह परिसर का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, पार्किंग, बैरिकेडिंग, सुरक्षा प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था का गहनता से जायजा लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिस बल को निर्देशित करते हुए कहा कि ईद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी को सतर्क रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा।

प्रशासन द्वारा ईदगाह परिसर में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है, साथ ही आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जा रही हैं, ताकि त्योहार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नवाबगंज में कृषि मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन

सरकार के 9 व 11 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में , किसानों को ट्रैक्टर की चाबी व अनुदान राशि की वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । प्रदेश सरकार के 9 वर्ष और केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकासखंड नवाबगंज में कृषि मेला एवं प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद छत्रपाल गंगवार और विधायक डॉ. एमपी आर्य की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया गया, वहीं बाल विकास विभाग के लाभार्थियों की गोद भराई भी कराई गई।कृषि विभाग द्वारा कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत कस्टम हायरिंग सेंटर के लाभार्थियों को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी गई और उन्हें सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त प्राप्त करने वाले लाभार्थियों और मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अंशु देवी और पूरन लाल को कस्टम हायरिंग सेंटर योजना के तहत 24-24 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि, खंड विकास अधिकारी सहित कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

पहले प्यार, फिर शादी और अब कत्ल: पति ने इंजेक्शन लगाकर की पत्नी की हत्या, इस काम से अरुण को रोकती थी काजल

मृतका के परिजनों का आरोप है कि उन्हें घर के बाथरूम से एक इंजेक्शन बरामद हुआ है। आरोप है कि पति अरुण कुमार ने काजल को कोई जहरीला इंजेक्शन लगाया है, जिसके कारण उसकी जान गई।गुरुग्राम के गढ़ी हरसरू गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला के मायके वालों ने पति पर इंजेक्शन लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर सेक्टर-93 चौकी की पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटनास्थल से एक सिरिंज बरामद की है। मृतका के परिवार वालों की शिकायत पर सेक्टर-10 थाने में धारा 80(2) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।नशा करने से रोकने पर होता था विवाद- मृतका की पहचान काजल (23) के रूप में हुई है। वह एक निजी अस्पताल में नर्स की नौकरी करती थी। वर्तमान में वह गढ़ी हरसरू गांव में अपने मायके वालों के साथ रह रही थी। उसके साथ ही उसका पति अरूण कुमार भी रह रहा था। बताया जा रहा है कि अरुण कुमार नशा करने का आदी है, ऐसे में काजल उसे नशा करने से रोकती थी तो वह उससे झगड़ा करने लगता था। दो दिन पहले भी नशा करने की बात पर काजल का अपने पति अरूण कुमार के साथ झगड़ा हुआ था। 18 मार्च की सुबह दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई।10 मिनट में बिगड़ गई काजल की हालत- काजल (मृतका) के भाई गुरदीप ने बताया कि 18 मार्च की सुबह झगड़े के बाद काजल पहली मंजिल पर अपनी भाभी व बहन के पास थी। सुबह करीब 9.15 बजे अरुण कुमार ने काजल को बात करने के बहाने नीचे बुलाया था। इसके 10 मिनट बाद ही काजल की हालत बिगड़ने लगी और उसकी नाक से खून बह रहा था। जब काजल की भाभी व बहन को इसका पता चला तो वे उसे पास के निजी अस्पताल लेकर गए। वहां से काजल को सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया गया। सिविल अस्पताल में डॉक्टरों ने काजल को मृत घोषित कर दिया। बाथरूम से बरामद हुआ इंजेक्शन- मृतका के परिजनों का आरोप है कि उन्हें घर के बाथरूम से एक इंजेक्शन बरामद हुआ है। आरोप है कि पति अरुण कुमार ने काजल को कोई जहरीला इंजेक्शन लगाया है, जिसके कारण उसकी जान गई। गुरुवार को काजल के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर का कहना है कि बिसरा को जांच के लिए लैब भेजा गया था। बिसरा की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा कि काजल को कौन-सा इंजेक्शन लगाया गया था। परिवार वालों की सहमति से हुई थी शादी- काजल की जान-पहचान एक अस्पताल में काम करने के दौरान अरुण कुमार से हुई थी। अरुण कुमार भी निजी अस्पताल में एक्स-रे विभाग में काम करता था। दोनों के बीच प्रेम संबंध होने के चलते काजल ने इसके बारे में अपने घर पर बताया और घर वालों की सहमति से दोनों की शादी हो गई। शादी के बाद दोनों बसई क्षेत्र में किराये पर रहते थे। नशा के कारण दोनों के बीच झगड़ा होता रहता था। कुछ समय पहले अरुण कुमार ने नौकरी छोड़ दी थी तो दोनों के बीच विवाद बढ़ गया था। होली के त्यौहार के चलते काजल अपने पति अरुण के साथ गढ़ी हरसरू स्थित अपने मायके आई हुई थी। उन्होंने बसई क्षेत्र में किराये का कमरा भी छोड़ दिया था। मृतका काजल का परिवार मूल रूप से कानपुर (उत्तर प्रदेश) के बेला गांव का रहने वाला है। जबकि अरुण कुमार मूल रूप से गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) बेहटा हाजीपुर गांव का रहने वाला है। नहीं हुई अभी किसी की गिरफ्तारी- जांच अधिकारी एएसआई जगदीश चंद्र ने बताया कि शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की छानबीन की जा रही है। अभी मामले में गिरफ्तारी नहीं हुई है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही बजह का पता चल सकेगा। मृतका के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत । जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की तैयारियों के संबंध में प्रथम अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक गांधी सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में बताया गया कि जनपद में 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। विभिन्न विभागों–स्वास्थ्य, पंचायती राज, शिक्षा, पशुपालन, बाल विकास व नगर निकाय–द्वारा माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य किए जाएंगे।

अभियान के तहत गांवों में नालियों की सफाई, जलभराव समाप्त करने, हैंडपंपों की मरम्मत, झाड़ियों की कटाई तथा शहरी क्षेत्रों में नियमित सफाई, फॉगिंग व लार्वानाशक छिड़काव कराया जाएगा। स्कूलों में बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा तथा विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जनपद की सभी सीएचसी पर 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी टीका नि:शुल्क लगाया जाएगा। टीकाकरण के लिए आधार कार्ड एवं जन्म या शैक्षिक प्रमाणपत्र लाना अनिवार्य होगा।

दस्तक अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता घर–घर जाकर बुखार, खांसी–जुकाम, टीबी व अन्य रोगों के मरीजों की पहचान कर उन्हें जांच व उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजेंगी। साथ ही घरों में जलभराव रोकने और डेंगू–मलेरिया से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी जाएगी।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की नई कार्यकारिणी पर उठे सवाल, इस्तीफे की चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन (तहसील जमुनहा इकाई) की नवनिर्मित कार्यकारिणी के गठन को लेकर विवाद गहरा गया है। मल्हीपुर में आयोजित चाय पर चर्चा कार्यक्रम के दौरान कई दर्जनों पत्रकारों ने एकजुट होकर नई कमेटी की चयन प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया। गुपचुप गठन का आरोप, वरिष्ठ पत्रकार उपेक्षित चौधरी महाजन लाल गौरव पब्लिक इंटर कॉलेज में कार्यवाहक महामंत्री शिव नन्दन गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में सदस्यों ने तीखा रोष व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि 1992 से यूनियन को सींचने वाले पुराने और वरिष्ठ सदस्यों को अंधेरे में रखकर गुपचुप तरीके से नई कार्यकारिणी गठित कर ली गई। न तो पुराने सदस्यों को सूचना दी गई और न ही उन्हें प्रक्रिया में शामिल किया गया। पुन: चुनाव कराने की मांग बैठक में मौजूद पत्रकारों ने साफ तौर पर कहा कि यह उनके स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ है। आक्रोशित सदस्यों ने मांग की है कि- वर्तमान में घोषित अवैध कार्यकारिणी को तत्काल भंग किया जाए। सार्वजनिक बैठक बुलाकर पारदर्शी तरीके से चुनाव कराए जाएं। कर्मठ और स्वच्छ छवि वाले पत्रकारों को ही यूनियन की कमान सौंपी जाए। सामूहिक त्यागपत्र की दी चेतावनी नाराज पत्रकारों ने स्पष्ट किया कि यदि पुरानी कमेटी को बहाल कर निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो वे सामूहिक रूप से यूनियन छोड़ने को मजबूर होंगे। बैठक की शुरुआत में राज पार्षद प्रियव्रत मिश्रा ने दिवंगत पूर्व जिलाध्यक्ष उमेश चंद्र गुप्ता को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी गई। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान बाबूराम पाठक, मुकेश कुमार गुप्ता, राधेशयम त्रिपाठी, रुद्रसेन वर्मा, प्रदीप त्रिपाठी, संदीप त्रिपाठी, संतोष गुप्ता, नन्द कुमार गुप्ता, बीरेंद्र वर्मा, प्रिय व्रत मिश्रा, प्रेम चंद जयसवाल, मंजीत मिश्रा, मोहित गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, मेराज खान, सुरेश कुमार गुप्ता, पवन कुमार, अरबिंद यादव, शफिक उल्ला, जगदम्बा प्रसाद,ललित कुमार यादव,नसीम अहमद, राहुल, मुज्जमिल, सुरेश श्रीवास्तव, शिव शकर तिवारी, समा बानो, सागीर अहमद, बुझाव अहमद, मिज्जन, रिजवान, ईमरान, अनिल कुमार, अरुण कुमार तिवारी, मदन लाल सोनी, दीना नाथ विश्वकर्मा, जगत राम, रिंकू जयसवाल, राजेंद्र मार्य, अवनीश तिवारी, आशीष कुमार, नीलाम्बुज शर्मा, अरिमर्दन मिश्रा, अभिनव श्रीवास्तव, शुभम गुप्ता, सतगुरु गुप्ता, मो शारीफ समेत करीब 50 पत्रकार उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

चैत्र नवरात्रि पर 62वी वाहिनीं मुख्यालय, भिनगा में भक्ति का माहौल, माँ दुर्गा की पूजा–अर्चना के साथ नवरात्रि का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर 62 वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में कमान्डेंट, अमरेन्द्र कुमार वरुण के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय स्थित मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ नवरात्र उत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों, जवानों एवं संदीक्षा सदस्यों ने विधि–विधान से माँ दुर्गा की पूजा–अर्चना की तथा कलश स्थापना कर धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत की। भजन–कीर्तन एवं आरती से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। इस अवसर पर देश की शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा के साथ–साथ वाहिनी के उत्तरोत्तर विकास और जवानों के कल्याण की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों के बीच प्रसाद वितरित किया गया। स्स्क द्वारा इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन न केवल आस्था को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि बल के अधिकारियों एवं जवानों के बीच आपसी समन्वय, मनोबल और एकता को भी मजबूत करते हैं।

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव को राहत, एमपी–एमएलए कोर्ट ने आचार संहिता उल्लंघन मामले में किया बरी

आजमगढ़ के सपा सांसद धर्मेंद्र यादव को बड़ी राहत मिली है। बदायूं के एमपी एमएलए कोर्ट ने उन्हें आचार संहिता उल्लंघन के मामले में बरी कर दिया है। आजमगढ़ के सपा सांसद धर्मेंद्र यादव को आचार संहिता उल्लंघन मामले में बदायूं के एमपी–एमएलए कोर्ट ने बृहस्पतिवार को बरी कर दिया। मामले की सुनवाई एक दिन पहले पूरी हो चुकी थी। फैसले के दिन सांसद धर्मेंद्र यादव भी कोर्ट में मौजूद रहे। सपा सांसद ने कोर्ट के फैसले का स्वागत कियायह मामला 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान का था। तत्कालीन सदर एसडीएम सुखलाल प्रसाद वर्मा ने सिविल लाइंस थाने में आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि चुनाव के दौरान शहर के एक लॉन में शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को बुलाया गया। यहां लालच देकर वोट खरीदने की कोशिश की गई। इस मामले में धर्मेंद्र यादव के साथ 28 अन्य लोगों के खिलाफ भी पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। हालांकि, जून 2024 में उन्हें इसी मामले से बरी कर दिया गया था। धर्मेंद्र यादव पर आचार संहिता उल्लंघन के साथ–साथ कोविड अधिनियम और आपदा प्रबंधन अधिनियम की धाराएं लगाई गई थीं।

थाना खनियाधाना पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 77/2026 मे अपहृत नाबालिग बालिका को शिवपुरी से सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी – फरियादिया उम्र 50 साल निवासी वार्ड न. 05 टेकरी मंदिर के पीछे खनियाधाना थाना खनियाधाना जिला शिवपुरी ने अपनी नाबालिग बालिका को संदेही धर्मेन्द्र पुत्र योगी निवासी ग्राम बरधमा थाना बसई जिला दतिया द्वारा बहला फुसला कर ले जाने के संबंध में रिपोर्ट की थी जिस पर से थाना खनियाधाना जिला शिवपुरी पर अपराध क्र. 77/2026 धारा 137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा नाबालिक बालक बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं श्री प्रशांत शर्मा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुभाग पिछोर के मार्गदर्शन में प्रकरण नाबालिग बालिका संबंधी व संवेदनशील होने से घटना की प्रकृति की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये, थाना प्रभारी खनियाधाना निरी. केदार सिंह यादव को तत्काल दस्तयाव करने के निर्देश दिये गये । थाना प्रभारी के द्वारा मुखबिर तंत्र मजबूत कर पुलिस टीम तैयार कर अपहृता की दस्तयाबी हेतु पुलिस टीम को मुखबिर की सूचना से अवगत कराकर रवाना किया गया था । पुलिस टीम द्वारा शिवपुरी से अपहृता बालिका को दिनांक 17.03.2026 को रात्रि मे दस्तयाव किया गया । दिनांक 18.03.2026 को दस्तयाब बालिका को सीडब्ल्यूसी शिवपुरी पेश किया, जहाँ से बालिका को परिजनो को सुपुर्द किया गया । सराहनीय भूमिका– निरीक्षक केदार सिंह यादव थाना प्रभारी , उनि, अरविंद सिंह चौधरी , सउनि रामसिंह भिलाला , प्रआर. हीरा सिंह पाल, आर. जयवीर गुर्जर ,आर. संदीप जाटव , आर. रवि बाथम , आर. योगेन्द्र सिंह , आर. हेमसिंह , आर. अनूप कुमार , आर. दीपक किरार , आर. उमेश लोधी , आर. रवि बाथम , आर. अरविंद सिंह कौरव महिला आर. 748 अनुराधा थाना मायापुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के लिए दिशा–निर्देश जारी, जिले की 587 ग्राम पंचायतों में चलेगा अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, अपर सचिव, मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के आयोजन एवं क्रियान्वयन हेतु विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्धन को सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार इस अभियान का योजनाबद्ध क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ 19 मार्च को वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर उज्जैन में किया गया है। यह अभियान 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित रहेगा।

प्राप्त निर्देशों के क्रम में जिला शिवपुरी की समस्त 587 ग्राम पंचायतों में जनसहयोग से विभिन्न कार्य कराए जाएंगे। इनमें तालाबों की साफ–सफाई, गहरीकरण, गाद निकालना तथा बस स्टैंड एवं यात्री प्रतीक्षालयों पर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करना शामिल है। साथ ही जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को निरंतर जारी रखने की कार्ययोजना तैयार की गई है।

जिले में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न स्थानों पर अभियान का शुभारंभ किया गया। ग्राम पंचायत गंगौरा (जनपद पंचायत शिवपुरी) में कलेक्टर, विधायक देवेंद्र जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष हेमलता रावत एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत की उपस्थिति में अभियान की शुरुआत की गई। इसी क्रम में जनपद पंचायत करैरा की ग्राम पंचायत बघरा साजोर में तालाब गहरीकरण कार्य का शुभारंभ किया गया। ग्राम पंचायत कैरुआ में भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में तालाब गहरीकरण कार्य प्रारंभ हुआ। जनपद पंचायत खनियाधाना की ग्राम पंचायत बामौरकला में यात्री प्रतीक्षालय पर पेयजल हेतु मटकों की व्यवस्था की गई। इसके अतिरिक्त जनपद पंचायत पिछोर की ग्राम पंचायत सेमरी में भी अभियान का शुभारंभ करते हुए जलाशयों की साफ–सफाई का कार्य किया गया, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाई गई। जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ अन्य संबंधित विभागों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जल संरक्षण के कार्यों को जनआंदोलन के रूप में संचालित किया जा रहा है।

गाजियाबाद में दिल दहला देने वाली घटना: 13वीं मंजिल से कूद बेटे ने दी जान, घर में मिला तीन दिन पुराना मां का शव

पुलिस के अनुसार, राजवीर चावला एक एस्ट्रोलॉजिस्ट थे। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। यूपी के गाजियाबाद स्थित कविनगर थाना क्षेत्र के महागुनपुरम सोसायटी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। विनायक टॉवर में 42 वर्षीय राजवीर चावला ने 13वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उनके फ्लैट में उनकी 70 वर्षीय मां सतनामकौर का शव भी मिला है।बेड पर पड़ी थी मां की लाश– राजवीर चावला ने 13वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उनके फ्लैट की तलाशी ली। वहां बेड पर उनकी मां सतनामकौर का शव पड़ा मिला। मां का शव दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। उनकी नाक पर खून के धब्बे भी मौजूद थे। पुलिस ने दोनों शवों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है।पुलिस जांच जारी– पुलिस के अनुसार, राजवीर चावला एक एस्ट्रोलॉजिस्ट (ज्योतिष) थे। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। मां की मौत के कारणों की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

मटेरा की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मटेरा मंडल अध्यक्ष द्वारा की गई सीएमओ से शिकायत

◆ लैब टेक्नीशियन और नर्स द्वारा की जा रही उगाही की आए दिन मिल रही शिकायत

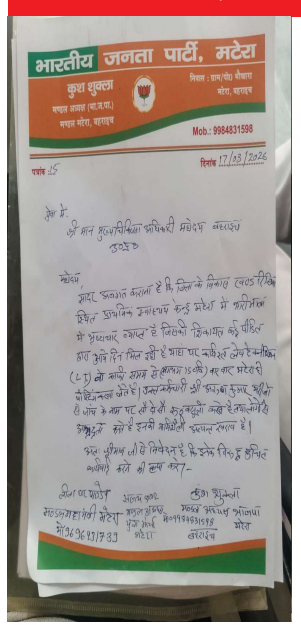

क्यूँ न लिखूँ सच/ रिसिया बहराइच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मटेरा में तैनात कर्मचारियों द्वारा क्षेत्रीय लोगों से स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर आए दिन वसूली की जा रही है द्य इसकी शिकायत क्षेत्र की जनता द्वारा मंडल अध्यक्ष कुश शुक्ला जी को की गई द्य जिसका संज्ञान लेकर मंडल अध्यक्ष द्वारा एक पत्र जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लिखा गया है द्य लोगों की शिकायत यह भी है कि अस्पताल जाने पर चिकित्सा सुविधाओं के एवज में पैसे मांगे जाते हैं द्य पैसा ना देने पर सुविधा देने से इनकार कर दिया जाता है द्य कई महिलाओं की शिकायतें हैं कि लैब टेक्नीशियन द्वारा अभद्रता की जाती है और मौजूदा सरकार के बारे में भी उल्टा सीधा कहा जाता है द्य अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा सीधे मुंह मरीज से बात भी नहीं की जाती मंडल अध्यक्ष जी का कहना है कि उनको बीते तीन-चार महीने से लगातार शिकायतें मिल रही थी उन्होंने शिकायतों को लेकर पहले भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर बातचीत की लेकिन इसका भी नतीजा बे असर रहा द्य निम्नलिखित शिकायतें रिसिया अधीक्षक के भी संज्ञान में है द्य जांच के नाम पर खाना पूर्ति करके बाद में पैसा लेकर जांच बंद कर दी जाती है खुलेआम भ्रष्टाचार किया जा रहा है उच्च अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं द्य कार्रवाई के नाम पर शून्यता है द्य ऐसे ही अधिकारियों और कर्मचारियों की वजह से मुख्यमंत्री द्वारा जीरो टॉलरेंस की बातों पर , सवाल उठ रहा है द्य मंडल अध्यक्ष द्वारा यह भी कहा गया कि अगर यह समस्या जल्द ही नहीं सही की गई तो वह इन समस्याओं को लेकर माननीय स्वास्थ्य मंत्री तक जाएंगे द्य

एसडीएम नानपारा की त्वरित कार्यवाही, सरकारी भूमि से अवैध कब्जा तत्काल हटवाया

■ सुबह जनसुनवाई में प्राप्त हुई शिकायत तत्काल राजस्व टीम को मौके पर भेज कर कराया निस्तारण

■ क्षेत्रवासियों का कहना एसडीएम हो तो ऐसा जो तत्काल करता शिकायत का निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच/ बहराइच।। आज तहसील नानपारा में आयोजित जनसुनवाई के दौरान ग्राम खटीकन, परगना चर्दा, तहसील नानपारा की निवासी सफीकन पुत्री घसीटे निवासी खटिकन द्वारा इस आशय की शिकायत की गई कि गाटा संख्या 323, रकबा 0.111 हेक्टेयर भूमि, जो कि राजस्व अभिलेखों में नवीन परती के नाम दर्ज (सरकारी भूमि) है, उस पर ग्राम निवासी मेंराज पुत्र मकबूल द्वारा पक्का निर्माण कर अवैध कब्जा किया जा रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया और राजस्व टीम को मौके पर भेजकर जांच कराई। मौके पर जांच के दौरान शिकायत सही पाई गई।

इस पर एसडीएम नानपारा के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि पर किए जा रहे अवैध कब्जे को ध्वस्त करवा दिया गया और सरकारी जमीन से अवैध अतिक्रमण को हटवा दिया गया तथा भूमि को कब्जा मुक्त कराकर पुनः सरकारी अभिलेखों के अनुसार सुरक्षित कराया गया। एसडीएम मोनालिसा जौहरी की लगातार इस तरह की त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही से क्षेत्र के लोगों में एसडीएम के प्रति विश्वास बढ़ा है और आमजन द्वारा उनके कार्यों की सराहना की जा रही है। एसडीएम नानपारा द्वारा स्पष्ट किया गया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसी शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी साथ ही अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई भी की जाएगी

संक्षिप्त समाचार

विदेश भेजने के नाम पर 3.90 लाख की ठगी, बनवा दिया फर्जी पासपोर्ट; जॉइनिंग लेटर भी निकले नकली

अमेठी में विदेश भेजने के नाम पर 3.90 लाख की ठगी कर ली गई। आरोपी ने फर्जी पासपोर्ट बनवा दिया। जॉइनिंग लेटर भी नकली निकले। अब पैसा वापस मांगने पर आरोपी गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दे रहा है।यूपी के अमेठी में विदेश भेजने का झांसा देकर पांच लोगों से 3.90 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। फर्जी दस्तावेज तैयार करके पासपोर्ट तक बनवा दिया गया। पीड़ित ने अपने ही भाई पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत की है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।मोहनगंज थाना क्षेत्र के रस्तामऊ निवासी खुर्शीद खान ने बताया कि उनका भाई इजहार उर्फ मुंशीर लंबे समय से लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने का लालच देकर रुपये ऐंठ रहा है। उसके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोप है कि उसने आधार कार्ड में कूटरचना कर पता बदल लिया। रस्तामऊ के पते पर जारी पहचान पत्र में हेरफेर कर अयोध्या के सराय मनौली का पता दर्ज कराया। इसी आधार पर पासपोर्ट भी बनवा लिया। बताया गया कि आरोपी ने कई लोगों से रकम ली। पूरे भानी निवासी सुनील कुमार से 70 हजार रुपये, गुनैया निवासी राजू से 80 हजार रुपये, मरदानपुर निवासी रवि कुमार से 80 हजार रुपये, सिंदुरवा क्षेत्र के संजय से 80 हजार रुपये और दुलारीनगर निवासी राजेश से 80 हजार रुपये वसूले। इन सभी को दुबई स्थित एक पेट्रोलियम कंपनी में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया गया। बाद में उन्हें जो जॉइनिंग लेटर दिए गए, वो फर्जी निकले। कहा कि रकम लेने के बाद आरोपी टालमटोल करता रहा। जब लोग पैसा मांगने पहुंचे तो उसने गाली-गलौज की और धमकाया। बताया कि वह वर्ष 2016 से दुबई में कार्यरत है। भाई इजहार ने उसके नाम का भी गलत इस्तेमाल कर कई लोगों से धन लिया। जानकारी मिलने पर विरोध किया गया तो उसे भी झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने और जान से मारने की धमकी दी गई। इंस्पेक्टर राकेश सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

62वीं वाहिनीं एसएसबी, भिनगा द्वारा राप्ती नदी किनारे मॉक ड्रिल, डूबते व्यक्ति को बचाने का दिया प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा जनसुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राप्ती नदी के किनारे ककरदरी गांव के पास मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के दिशा-निर्देशन एवं समवाय ककरदरी के कम्पनी कमांडर अमित शर्मा, सहायक कमान्डेंट के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मॉक ड्रिल के दौरान नदी में डूबने वाले व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने तथा बाहर निकालने के उपरांत उसे जीवन रक्षक प्राथमिक उपचार (CPR) प्रदान करने की विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। जवानों ने त्वरित रेस्क्यू तकनीकों का प्रदर्शन करते हुए बताया कि आपात स्थिति में समय पर सही कदम उठाकर किसी की जान कैसे बचाई जा सकती है। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों को भी प्रशिक्षण में शामिल किया गया, जिससे उन्हें डूबने की घटनाओं से बचाव, सतर्कता बरतने एवं प्राथमिक उपचार के महत्वपूर्ण तरीकों की जानकारी दी जा सके। SSB द्वारा आयोजित इस प्रकार के अभ्यास न केवल बल के जवानों की दक्षता को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि आमजन को भी आपदा के समय सजग एवं सक्षम बनाते हैं। यह पहल जनसुरक्षा के प्रति स्स्क्क की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पत्रकार मनीष शर्मा पर हमले के विरोध में सौंपा ज्ञापन, बैठक में संगठन का विस्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ, प्रांतीय अध्यक्ष आदरणीय श्री शलभ भदौरिया दादा जी के निर्देश अनुसार विदिशा जिला इकाई के तत्वाधान में 18 मार्च को पत्रकार मनीष शर्मा पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में विदिशा कलेक्टर एवं एसपी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष हाकम सिंह रघुवंशी, कार्यकारी अध्यक्ष योगेश पंथी, महासचिव रुपेश आर्य, कोषाध्यक्ष सौरभ जैन, उपाध्यक्ष शान मियां, सचिव धर्मेंद्र प्रजापति ,लटेरी कार्यकारी अध्यक्ष आकाश सोनी, शुभम सोनी, शमा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान घनश्याम पंथी, अलीम खान, राजकुमार बगले, मनीष शर्मा, सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन के पश्चात कुशाभाऊ ठाकरे खेल परिसर में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक, विदिशा में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विदिशा ब्लॉक के पत्रकार साथियों ने सर्वसम्मति से आर. के. वासुदेव को पुनः ब्लॉक इकाई अध्यक्ष नियुक्त किया। वहीं, आर. के. वासुदेव द्वारा कार्यकारी अध्यक्ष पद पर नवयुवक प्रकाश लोधी को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित सोनू नामदेव, प्रकाश जोशी, अखिलेश रघुवंशी, सहित सभी साथियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया। बैठक में लटेरी, शमशाबाद, नटेरन एवं विदिशा के पत्रकार साथियों की सक्रिय भागीदारी रही। संगठन के सभी सदस्यों ने एकजुटता का परिचय देते हुए प्रशासन से जल्द न्याय की मांग की और चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

चुनावी राज्यों में भेजी जा रही एलपीजी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सरकार पर साधा निशाना

एलपीजी संकट को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एलपीजी सिलिंडर चुनावी राज्यों में भेजे जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में गैस के लिए मारामारी मची हुई है। शाहजहांपुर में गैस सिलिंडर को लेकर मची मारामारी के बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि गैस को चुनावी राज्यों में भेजा जा रहा है। उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में सिलिंडर के लिए मारामारी मची है। भ्रमण के दौरान ढाबे पर गैस नहीं होने के कारण चाय तक नहीं मिली। सरकार को आम जनता के लिए सिलिंडर की तत्काल व्यवस्था करना चाहिए। बृहस्पतिवार सुबह काकोरी केस के नायक शहीद अशफाक उल्ला खां की जलालनगर स्थित मजार पर चादरपोशी करने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने वाराणसी में गंगा नदी में इफ्तार के बाद युवकों पर रिपोर्ट दर्ज होने के मामले में कहा कि मां गंगा के जल से हिंदू बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करते हैं। उसी गंगा के जल से मुस्लिम वुजू भी करते हैं। दोनों ही मिलकर गंगा-जमुनी तहजीब को मजबूत किए हुए हैं। ओपी राजभर पर दिया ये बयान - सांसद व अभिनेत्री कंगना रनौत के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर दिए बयान पर अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी पूरे देश में भाईचारे का पैगाम देते हैं। वह दिन-रात आम आदमी के लिए काम करते हैं। मंत्री ओपी राजभर के बारे में कहा कि राजभर भाजपा में घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्हें अपने समाज और लोगों की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी पूरी ताकत और मजबूती के साथ विधानसभा चुनाव लड़ेगी और 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार को लाइन में लगाने का काम करेगी। शोक संवेदना व्यक्त की- बरेली से लखनऊ जाते समय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शहबाजनगर में कांग्रेस नेता ताहिर अली गुड्डू मियां के आवास पहुंचे। यहां उन्होंने गुड्डू मियां के भाई व बहन के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इसके बाद एमनजई जलालानगर स्थित अमर शहीद अशफाक उल्ला खां की मजार पर चादरपोशी कर नमन किया।

सीएम योगी बोले- राम मंदिर को अंधविश्वास बताने वाले सत्ता बचाने के लिए नोएडा नहीं जाते थे, अब हालात बदल गए

अयोध्या में नवरात्रि के पहले दिन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना हुई। राष्ट्रपति की मौजूदगी में कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने रामराज्य की अनुभूति और आस्था की शक्ति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी अब परिवार के साथ मंदिरों की ओर अधिक आकर्षित हो रही है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। इस अवसर पर राष्ट्रपति की उपस्थिति में गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने सबसे पहले प्रदेशवासियों को भारतीय नवसंवत्सर की शुभकामना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू मैया अयोध्या धाम को पवित्र करते हुए अपने निर्मल जल से पूरे क्षेत्र को पवित्र करती हैं। रामराज्य की अनुभूति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में युद्ध चल रहे हैं और हम श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने वर्तमान पीढ़ी की प्रशंसा की और कहा कि यह पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है।हर सनातन धर्मावलंबी व सच्चा भारतीय आनंदित- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व-मार्गदर्शन में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, रामदरबार के पवित्र विग्रह की स्थापना, ध्वजा आरोहण और आज श्रीराम यंत्र की स्थापना का कार्यक्रम हर सनातन धर्मावलंबी व सच्चे भारतीय को आनंद से विभोर कर देता है और यही भारत की आस्था है। सीएम योगी ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा, कहा कि आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसे अपमानित करने वाले वही लोग हैं, जो सत्ता बचाने के लिए नोएडा नहीं जाते थे। नोएडा न जाना उनके लिए अंधविश्वास नहीं था, लेकिन राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, कृष्ण-कन्हैया के मथुरा-वृंदावन की बात करना अंधविश्वास का पर्याय था। लेकिन जो आस्था 500 वर्ष तक निरंतर बनी रही, संघर्षों का मुकाबला करती रही, वह न रुकी, न डिगी और न झुकी। आस्था को अपमानित करने वाली सत्ता के खिलाफ संघर्ष निरंतर जारी रहा। अंततः वह दिन आया, जब अयोध्या इस रूप में सबके सामने है। श्रीराम मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का बना प्रतीक - सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बन गया है। यह रामराज्य की आधारशिला भी है। दुनिया में तमाम युद्ध चल रहे हैं, अव्यवस्था, आर्थिक अराजकता, भय-आतंक है और अयोध्याधाम में हजारों की संख्या में उपस्थित हम लोग भयमुक्त होकर राष्ट्रपति जी के अभिवादन और श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम में सहभागी बनकर रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि भारत इसलिए भारत बना है, क्योंकि इसे ऋषि-मुनियों की तपस्या, अन्नदाता किसानों के परिश्रम, कारीगरों की उद्यमिता और भारत की आस्था ने सदैव 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के रूप में बनाए रखा। श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ जुड़कर न केवल प्रदेशवासी, बल्कि देश-दुनिया के सनातन धर्मावलंबी के मन में भी आनंद की अनुभूति हो रही है। 2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु आए उत्तर प्रदेश - सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु-पर्यटक धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करने उत्तर प्रदेश आए। अयोध्या, काशी, प्रयागराज महाकुम्भ, मथुरा-वृंदावन में दर्शन करने जितने लोग आए, उतनी आबादी कई देशों की नहीं है। यह नया और बदलता भारत है। वर्तमान पीढ़ी अब दिग्भ्रमित नहीं है, वह सही दिशा में जा रही है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। लोग किसी ऐसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाते, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है।सीएम योगी ने बलिदान देने वाले रामभक्तों, संतों को किया नमन - सीएम ने राम मंदिर निर्माण यज्ञ में योगदान देने वाले संतों, रामभक्तों, कारीगरों/श्रमिकों का अभिनंदन किया। उन्होंने आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले रामभक्तों के साथ ही संतों व दिवंगत विहिप नेता अशोक सिंहल आदि को नमन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को स्मृति चिह्न प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मां अमृतानंदमयी (अम्मा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक भैया जी, श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले कारीगरों के पारिवारिक सदस्यों समेत हजारों रामभक्त मौजूद रहे।

Is period pain normal or a sign of a serious illness? Learn when it's important to consult a doctor.

Period pain isn't always normal. In some cases, it's important to consult a doctor. Pain during the first 1-2 days of your period is normal. Severe pain that disrupts your daily routine can be serious. Consult a doctor for heavy bleeding known as menstrual cramps, is considered days of their period, but it's important to be a sign of an underlying problem, which if (Chairman and HOD - Obstetrics and not normal. Are period cramps normal? Mild the first 1-2 days of your period is considered as the uterus contracts to expel its inner lining. water bags, light exercise, or simple may be accompanied by symptoms like When does this pain stop being normal? If your daily routine, it should not be ignored. or work, and simple painkillers do not attention to these signs: The pain persists for compared to before. Cramps often begin

or irregular periods. Abdominal pain during your period, normal. Most women experience this problem during the early know when it's not normal. In some cases, period cramps can ignored can prove costly later. Let's learn from Dr. Manan Gupta Gynecology, Atlantis Healthcare, New Delhi) when periods are to moderate pain in the lower abdomen, groin, or thighs during completely normal. This cramping is caused by muscle tension This pain is usually mild and can be managed with rest, hot painkillers prescribed by your doctor. In some cases, this pain nausea, fatigue, or headache, which are also considered normal. period pain becomes so severe that you are unable to carry out If the pain is so severe that you are unable to go to school, college, provide relief, it could be a sign of a serious problem. Pay more than 2-3 days. The pain suddenly increases significantly several days before your period. When is it important to consult a doctor? Besides pain, there are other warning signs that should prompt a medical examination. These include heavy bleeding, irregular periods, or pain during sex. These symptoms could indicate endometriosis, fibroids, or an infection. Therefore, if you experience severe pain during your period, it's important to consult a doctor. This can help detect the condition early.

Skipping pasta on your diet? Wait! A doctor reveals the real reason for weight gain.

Many people believe that eating pasta causes weight gain, but in reality, it's not the pasta itself, but the ingredients used in it that cause weight gain. Whole-wheat pasta, not the pasta itself, is rich in fiber, aids digestion, and regulates free options. Pasta is a favorite food for many. feel guilty after eating it. Many people believe avoid it. Are you among those who believe long been considered the "biggest enemy of carbohydrates, which causes bloating and The truth is quite different, as Dr. Karuna Speciality Hospital, Noida, explains. The right ingredients, it can be a great part of your these myths about pasta and find out the that pasta is primarily a carbohydrate, which is why athletes love it so much. It's not just and iron. If you choose whole wheat pasta, Does eating pasta cause weight gain? doesn't make you fat, but the ingredients in it weight gain: When you add lots of cheese, its calories increase significantly. Healthy way:

sugar. Choose the right ingredients, quantities, and gluten-People often eat it according to their preferences, but often that eating pasta leads to weight gain, and therefore, many that eating a plate of pasta means gaining weight? Pasta has dieting." People think it's just a mixture of starch and lethargy. But the truth is not what you might have believed. Chaturvedi, Head of Clinical Nutrition at Max Super doctor explains that if eaten in the right way and with the healthy diet and weight loss journey. Let's debunk some of truth: Is pasta really just empty calories? The doctor explains is the biggest source of energy for our body and brain. This carbohydrates, but also B vitamins (like thiamin and folate) you also get plenty of fiber, magnesium, and antioxidants. Answering this question, the doctor explained that pasta do! Plain dry pasta is actually low-fat. The real villains of butter, heavy cream sauces, and processed meats to pasta, Make pasta with tomato sauce, plenty of green vegetables, olive oil, and good protein (like chicken, lentils, or fish). This will fill you up and prevent weight gain. Be mindful of portions: It's also important to be mindful of how much you're eating! 75 grams of raw pasta (which becomes 180-200 grams after cooking) is ideal for an adult. Eating more than this can be harmful. White pasta vs. whole wheat pasta: Which is better? White pasta: Made from refined wheat, with the fibrous outer layer removed. Whole wheat pasta: Made from whole grains. It contains almost double the fiber (6 to 9 grams) compared to white pasta. It slows down your digestion, controls sugar levels, and keeps you full longer. Why does your stomach bloat or lethargy occur after eating pasta? If you experience gas or bloating after eating pasta, there could be two reasons: Gluten or FODMAPs: Some people are allergic to wheat gluten or certain types of carbohydrates (FODMAPs), which are difficult for the intestines to digest. Cause of lethargy: If you eat too much refined white pasta, your blood sugar can rise and fall rapidly, leading to drowsiness. If you're allergic to wheat, can you avoid pasta? There are some excellent gluten-free pasta options available today: Lentil pasta: This pasta is made from chickpeas, lentils, or peas. It contains more protein and fiber than wheat pasta. Rice or quinoa pasta: These pastas have a similar taste and texture to regular pasta and are much easier to digest.

Why are morning dreams often remembered? Understand the mystery of sleep and the dream world in simple terms.

We all dream while sleeping, but have you ever wondered why we dream and what they mean? Dreams help consolidate memories and manage emotions. The most profound and memorable dreams occur during are often remembered because they stage. Whether children or adults, During this time, we travel to a the 19th century, psychologist discussed the deeper meaning of are still trying to unravel the mystery understand in simple terms what we What are dreams? Dreams are the feelings that run through our minds first-person, with no control over glimpses of real life as well as bizarre Consolidating memories: We dream information and memories from the Dreaming serves as a way to safely (such as fear, joy, stress). Mental to "delete" unnecessary and from the mind. When do we dream? an average of two hours a night. The realistic dreams occur during REM This state is usually most intense a so we often remember our morning any meaning? Psychologists are still believe that these are a mirror of our

REM sleep. Morning dreams occur during the REM we all dream while sleeping. unique world of dreams. In Sigmund Freud first dreams. However, scientists of why we dream. So, let's have learned about dreams: images, thoughts, and during sleep. They are often them, and can include stories. Why do we dream? to securely store important day. Managing emotions: process the day's emotions cleansing: Dreams also help unimportant information A typical person dreams for most intense, colorful, and (rapid eye movement) sleep. few hours before waking up, dreams. Do dreams have debating this issue. Some hidden desires or fears, while some say that they have no exact meaning. However, it is certain that our dreams are somehow connected to our real life experiences. How many types of dreams are there Lucid Dreams: When you realize inside the dream itself that you are dreaming. Vivid Dreams: Those which feel absolutely real even after waking up. Nightmares: Those terrible dreams which wake you up from sleep due to fear. Recurring Dreams: Dreams with the same type of story which come for many days or months.

Govinda's iconic song was inspired by a Bhojpuri folk song, and Sonu Nigam's voice made it a cult classic.

Govinda's career has seen numerous songs that captivated audiences. But did you know that one of Govinda's hit songs was actually inspired by a Bhojpuri folk song? Govinda's song, based on a Bhojpuri folk song, sung by Sonu Nigam, produced many songs without which any party or event is with soothing songs, the changing era of cinema saw the Hero No. 1 Govinda is also one of those actors whose we'll talk about Govinda's song, which was originally Bhojpuri song, has produced many blockbuster songs in songs, especially those set in Uttar Pradesh and Bihar, are not only in Uttar Pradesh and Bihar but across the country. hardly anyone who hasn't danced to the superhit song Raja." This song remains the heart of every wedding, party, The hit song "Ankhiyon Se Goli Maare," based on a Anjaan, and its music director was Anand Milan. It's said Sameer and asked him to compose a song based on it. Then, The Bhojpuri song was actually a folk song, with the lyrics himself revealed this in an interview, saying that Gulshan write a song. Recalling this incident, Sameer said, "Gulshan folk song for me, and that song was 'Nathuniye pe goli a song on it." After this, Sameer composed the song, and Before Sonu Nigam, Altaf Raja had received the offer to originally intended to be sung by Altaf Raja, not Sonu Altaf Raja. Raja's songs were becoming hits at the time, so Altaf Raja demanded a substantial sum for the song. It is for the song, but Gulshan Kumar refused to pay this fee, and the song then came to Sonu Nigam, who gave voice to it. This Bhojpuri folk song is famous - in fact, before Govinda and Raveena sang the song, Munna Singh, a famous folk singer in Bihar, first sang "Nathuniye Pe Goli Mare" in Bhojpuri. This song became a huge hit in Bihar at that time. Even in states outside Bihar where Bhojpuri is spoken, the song was well-received. Munna Singh's version was followed by numerous versions of this song, but the Bollywood song "Ankhiyon Se Goli Mare" was inspired by this song. Govinda and Raveena Tandon's pairing in this song from Dulhe Raja was a phenomenal one. Their steps are still a hit, and everyone remembers the song, and that's how it came to be.

"He'll pass the time..." Aditya Chopra didn't want to cast Aamir Khan in "Fanaa"

Aamir Khan's film "Fanaa" is about to complete 20 years. Director Kunal Kohli revealed that Aditya Chopra wasn't in favor of casting Aamir, feeling he would waste time. Kunal Kohli made important revelations: Aditya Chopra like "Fanaa" made anymore? Aamir Khan's movie was directed by Kunal Kohli and Kunal explained why such films aren't made filmmakers don't want to take the risk of state of today's showbiz world as "sad." The filmmaker told Screen, "It's incredibly sad and unconventional subjects. Because in It's a love story about a terrorist. He's shot by Kunal Kohli revealed that he always wanted wasn't sure about it. Aditya Chopra was the Aditya said, "Hey, man! He'll just pass the he won't. It'll be a huge waste of time. If you one of your films became a hit, so you want my first film too." And when I got Hrithik Aamir Khan now?" Aamir asked for a script the script for Fanaa as soon as he saw it. Kunal instead of English. I completed the draft didn't want to cast Aamir Khan - why aren't films film "Fanaa" is about to complete 20 years. The starred Kajol opposite him. In a recent interview, anymore. He claimed that this is because working on bold projects. Kunal described the protagonist's role was unconventional. The that directors and producers shy away from bold 'Fanaa,' the protagonist isn't a hero, but a villain. the woman he loved, and who loved him back." Aamir Khan to star in 'Fanaa,' but Aditya Chopra film's producer. Aditya didn't want to cast him. time. He'll keep you on his lap for six months, then want to waste time, you do it." He added, "Well, Aamir Khan?" Kunal replied, "I wanted him in Roshan in my first film, why shouldn't I approach in Urdu. Kunal revealed that Aamir Khan loved said, "Aamir asked me to write the script in Urdu within a week, but I went to him two weeks later because I didn't want him to think I'd written the dialogues in a week. He asked me several times if I was the right person to direct, as I hadn't done anything like this before. He asked Adi, "If your company has such a subject, why aren't you directing it?" Adi replied, "Because I don't think anyone can do it better than Kunal." What was the story of Fanaa? Fanaa is a romantic thriller. It tells the story of Rehan, a charming tourist guide from Delhi, who falls in love with Zooni, a blind woman from Kashmir. Their love story takes a tragic turn when it's revealed that Rehan is a terrorist.

Will Shraddha Kapoor become a bride this year? Will she take the wedding vows with Rahul Modi? The actress's aunt revealed the truth.

Rumors have been circulating for a long time about Shraddha Kapoor and Rahul Modi's wedding, which her aunt, Tejaswini Kolhapure, recently responded to. Her aunt reacted to Shraddha's wedding rumors: "Will Shraddha Kapoor really become a bride this year?" - Photos with Rahul Modi went viral in 2024. Bollywood actress Shraddha Kapoor has long been in the news for her romantic relationship with writer Rahul Modi. Although the "Stree 2" actress has never openly addressed the dating rumors, her viral videos and photos with Rahul have always created a stir on social media. Earlier this year, news surfaced that Shraddha was planning to marry her longtime boyfriend Rahul in Udaipur. Is the fan-favorite "Stree" really going to tie the knot this year? Her aunt, Tejaswini Kolhapure, recently reacted to this news. Will wedding bells ring soon in Shraddha Kapoor's home? When asked about the persistent rumors of Shraddha Kapoor's wedding circulating on social media, her aunt, Tejaswini Kolhapure, told the Free Press Journal, "Honestly, I don't know about this. I have no idea." This isn't the first time a member of Shraddha Kapoor's family has reacted so shockingly to the actress's wedding rumors. Previously, when a post about Shraddha's wedding went viral on social media, her brother, Siddhant Kapoor, jokingly wrote, "This is news to me too." Rahul and Shraddha were spotted on a dinner date together those unaware, rumors of Shraddha Kapoor in 2024. Although the two haven't officially they were spotted on a dinner date together haven't officially confirmed their relationship. It confirmed their relationship rumors, they together on many occasions. Last year, a photo of may seem so, but they have been seen viral, in which she was seen feeding a dish to Rahul Shraddha Kapoor with Rahul Modi went with her own hands in front of everyone. Talking about Shraddha Kapoor's upcoming films, she will soon be seen in the film 'Etha'. In this film, she will play the powerful character of Marathi folk artist Vithabai Narayangaonkar. Apart from this, she will also be seen in 'Stree 3' and 'Bhediya 2'.